

अ

देवनागरी वर्णमाला का प्रथम अक्षर और प्रथम स्वर। संस्कृत व्याकरण और भाषा विज्ञान की दृष्टि से यह ह्रस्व दीर्घ और प्लुत तीन प्रकार का होता है।

अ पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. ब्रह्मा 3. इंद्र 4. वायु 5. अग्नि 6. कुबेर 7. अमृत 8. कीर्ति 9. विश्व।

अंक पुं. (तत्.) संख्या लिखने के लिए अभिनिर्धारित प्रतीक या चिह्न जैसे 1, 2, 3 आदि 2. (पत्रकारिता) किसी समाचार-पत्र या पत्रिका के नियमित या नियमित अवधि में होने वाले प्रकाशन; पत्रिकादि का विशेषांक जैसे हंस का निराळा अंक 3. (साहित्य) नाटक का एक अंश जिसकी समाप्ति पर यवनिका गिरा दी जाती है 4. चिह्न 5. काजल की बिंदी 6. गोद 7. (गणित) संख्या बोधक प्रतीक 1, 2, 3 आदि मुहा. अंक लगाना- गले मिलना, छाती से लगाना; अंक में भरना- गले/छाती से लगाना।

अंकक पुं. (तत्.) अंकों की गणना करने और उनका हिसाब रखने वाला 2. किराया, शुल्क निर्धारण करने वाला व्यक्ति, अंककार वि. अंकन करने वाला, कर, शुल्क, मूल्य निर्धारण करने वाला scorer

अंककरण पुं. (तत्.) 1. अंक या छाप लगाने का कार्य 2. अंकन।

अंककार पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो खेल में उत्पन्न विवादास्पद स्थिति में निर्णय देता है 2. दे. अंकक। umpire

अंकगणित पुं. (तत्.) गणित की शाखा जिसमें जोड़, घटाव, गुणा, भाग की सहायता से वास्तविक संख्याओं का परिकलन किया जाता है।

अंकगत पुं. (तत्.) 1. अंक (संख्या) से संबंधित वि. 2. अंक (गोद) में लिया हुआ।

अंकधारण पुं. (तत्.) शंख, चक्र, त्रिशूल आदि चिह्न, तप्त मुद्रा से दगवाना।

अंकधारी वि. (तत्.) जिसने शरीर पर चिह्न दगवाया हो, छापा लगा हुआ।

अंकन पुं. (तत्.) 1. निशान लगाना, चिह्नित करना 2. अंक देना/चढ़ाना/डालना, लगाना 3. चिह्न या छाप लगाना 4. कूची या बुरुश से चित्रण करना, चित्र बनाना, चित्रण, वर्णन करना।

अंकनी स्त्री. (तत्.) संस्कृत लिखने का छाप लगाने का उपकरण या साधन।

अंकनीय वि. (तत्.) 1. अंकन या चिह्न लगाने के योग्य 2. जिस पर अंक दिए जाने आवश्यक हों।

अंकपत्र पुं. (तत्.) परीक्षा में विषयवार प्राप्त अंकों का विवरण करने वाला पत्र। mark sheet

अंक-परिवर्तन पुं. (तत्.) 1. रंगमंच पर एक अंक की समाप्ति पर दूसरे अंक की शुरुआत 2. परीक्षा-संबंधी किसी प्रश्न पर पहले दिए गए अंकों में बाद में किया गया परिवर्तन।

अंकपलई स्त्री. (तत्.) वह विद्या जिसमें अंकों को अक्षरों के स्थान पर रखते हैं और उनके समूह से वाक्य की तरह अर्थ निकालते हैं।

अंकपाली स्त्री. (तत्.) धाय, दाई।

अंकपाश पुं. (तत्.) गले (से) लगाकर बाँहों में भर कर किया गया आलिंगन, गलबाँही।

अंकमविरष्टि क्रि. (तत्.) अंक लिखना, अंकन करना, गोद में आना।

अंकमाल पुं. (तत्.) 1. आलिंगन, परिरंभण, गले लगाना 2. भेंट

अंकमाला स्त्री. (तत्.) हार, आलिंगन।

अंकमुख पुं. (तत्.) 1. नाटक का आरंभिक वह भाग जिसमें बीजरूप में कथानक प्रस्तुत किया जाता है 2. किसी अंक के अंत में अंतिम पात्र द्वारा संक्षिप्त सूचना देकर अग्रिम अंक के प्रारंभ की योजना प्रस्तुत करना 3. अंकमुख में